NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 1

तू मेरे बैरियों के सामने मेरे लिये मेज़ बिछाता है

(भजन संहिता 23:5)

ईश्वर ने हमें इस संसार में इसलिए नहीं रखा है कि हम किसी “अच्छी दुनिया” की खोज करें — एक ऐसी जगह जहाँ कोई खतरा न हो, कोई पीड़ा न हो, और कोई बुरे लोग न हों।
नहीं, यह ऐसी बात है जिसे हर उस व्यक्ति को जान लेना चाहिए जिसने यीशु मसीह को अपने जीवन में स्वीकार किया है।

चाहे हम जितनी भी कोशिश कर लें, हम इस धरती पर कभी ऐसा स्थान नहीं पाएंगे जो पूरी तरह से सुरक्षित और शांति से भरा हो। क्योंकि यह संसार आदम के पाप में गिरने के समय से ही भ्रष्ट हो चुका है, और यह अंत तक ऐसा ही बना रहेगा।

यहाँ तक कि अगर हम किसी नये स्थान पर जाएँ, तो वहाँ भी कुछ समय बाद नई समस्याएँ और खतरे सामने आएँगे। यह सारी पृथ्वी ऐसी ही

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 2

है। कोई भी स्थान पूरी तरह समस्या-मुक्त नहीं है।

तो परमेश्वर क्या करता है?

परमेश्वर हमारी परिस्थितियाँ तुरंत नहीं बदलता। वह हमारा वातावरण स्वर्ग नहीं बनाता।
परन्तु वह हमारे शत्रुओं के बीच में, दुखों और खतरों के बीच में, हमारी रक्षा करता है।
वह हमारे लिये एक मेज़ बिछाता है — चाहे हमारे आसपास बुरे लोग हों, टोना-टोटके करनेवाले हों, निंदक हों, या हत्यारे हों — लेकिन वे हमें हानि नहीं पहुँचा सकते।

इसलिए हमारा भरोसा केवल परमेश्वर पर होना चाहिए।

भजन संहिता 23

1 यहोवा मेरा चरवाहा है; मुझे कोई घटी न होगी।
2 वह मुझे हरी-हरी चराइयों में बैठाता है; वह मुझे शान्त जल के पास ले जाता है।
3 वह मेरे प्राण को पुनःस्थापित करता है, और अपने नाम के निमित्त धर्म के मार्गों में मेरी अगुवाई करता है।
4 चाहे मैं मृत्यु की छाया की तराई से होकर चलूं, मैं किसी

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 3

भी विपत्ति से नहीं डरूंगा, क्योंकि तू मेरे साथ है। तेरी
लाठी और तेरी छड़ी मुझे दिलासा देती हैं।
5 तू मेरे बैरियों के सामने मेरे लिये मेज़ बिछाता है; तू
मेरे सिर पर तेल मलता है; मेरा प्याला उमड़ता है।
6 निश्चय ही भलाई और करुणा जीवन भर मेरे पीछे-पीछे चलेंगी;
और मैं यहोवा के घर में सदा वास करूंगा।

क्या तुमने देखा?
“तू मेरे बैरियों के सामने मेरे लिये मेज़ बिछाता है” — इसका मतलब है कि परमेश्वर तुम्हें उन्हीं लोगों के सामने आशीषित करेगा जो तुम्हारे विरोधी हैं:
वे सहकर्मी जो तुमसे ईर्ष्या करते हैं,
वे व्यापारी जो तुम्हारे विरुद्ध जादू-टोना करते हैं,
वे पड़ोसी जो तुम्हें हर दिन परेशान करते हैं।

उन्हीं के बीच में परमेश्वर तुम्हें आशीर्वाद देगा, तुम्हारा ख्याल रखेगा, और तुम्हें शांति देगा।

इसलिए, बार-बार यह प्रार्थना मत करो कि परमेश्वर तुम्हारी परिस्थितियों को बदल दे — कि वह तुम्हें किसी और स्थान पर भेज

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 4

दे, या तुम्हारे आसपास के लोगों को बदल दे।
परमेश्वर तुम्हें समय पर स्थानांतरित करेगा, लेकिन यह जान लो कि नए स्थान पर भी नई समस्याएँ होंगी।

जहाँ जादू-टोना नहीं होगा, वहाँ बीमारी हो सकती है

जहाँ बीमारी नहीं होगी, वहाँ आत्मिक बोझ हो सकता है

जहाँ गरीबी नहीं होगी, वहाँ विपत्तियाँ होंगी

यह संसार समस्या-रहित नहीं है क्योंकि इसका अधिपति शैतान है।

तो हमें क्या करना चाहिए?

परमेश्वर से यह प्रार्थना करो:
“हे प्रभु, मुझे इस स्थान पर ही शक्ति दे। मुझे यहीं सफलता दे। मुझे शांति दे।”
यह वही प्रार्थनाएँ हैं जिन्हें परमेश्वर सुनता और तुरंत उत्तर देता है।

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 5

यही प्रार्थना यीशु ने भी की थी:

यूहन्ना 17:15
“मैं यह नहीं चाहता कि तू उन्हें संसार से उठा ले, परन्तु यह
कि तू उन्हें उस दुष्ट से बचाए रख।”

यह प्रभु की इच्छा नहीं है कि हम संसार से अलग हो जाएँ, बल्कि यह कि हम उसके मध्य में जीते हुए उसके गवाह बनें — जब तक वह स्वयं हमें कहीं और न ले जाए।

कई मसीही विश्वासी अपने वातावरण से इतना प्रभावित हो जाते हैं कि वे अपने आप को बेकार मानने लगते हैं।
वे कहते हैं:

“अगर मैं इस जगह को छोड़ दूँ तो मैं प्रभु की बेहतर सेवा कर पाऊँगा”

“ये लोग मेरे विरोध में हैं, इसलिए मैं आत्मिक रूप से गिर गया

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 6

हूँ”

“अगर मैं कहीं और होता, तो ज़्यादा उपयोगी होता”

पर भाई, बहन – ऐसा कोई स्थान नहीं है जहाँ समस्याएँ न हों। लेकिन अगर हम प्रभु पर निर्भर रहें, उसकी शरण में जाएँ, तो वह हमें शांति, सुरक्षा और विजय देगा।

एक दर्शन

एक रात मैंने एक स्वप्न देखा।
मैं एक बड़ी इमारत में गया, लेकिन नहीं जानता था कि वह शत्रु की संपत्ति है।
वहाँ मैंने एक महिला से बात की जो जैसे बंदी थी।
फिर अचानक माहौल बदल गया – और मैंने देखा कि वहाँ शैतान के काम करनेवाले लोग थे।
मैं डर गया और बाहर निकलने का रास्ता ढूँढने लगा, पर सभी दरवाजे गायब हो गए थे।

मैं एक कमरे से दूसरे में भटकता रहा — लेकिन हर दरवाज़ा मुझे और गहराई में ले जाता।

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 7

उसी समय, मेरे मन में एक भावना आई:
“यहोवा मेरा शरणस्थान है – मुझे किस बात का डर?”
मैंने सोचा, “अब मैं द्वार खोजने के लिए इधर-उधर नहीं दौड़ूंगा। मैं शांति से बैठकर अपने प्रभु पर दृष्टि करूंगा।”
और जैसे ही मैंने ऐसा सोचा, मैं कुछ और विश्वासियों के साथ एक कमरे में था — हम सब शांत थे, हम भोजन कर रहे थे, और मिलकर स्तुति गीत गा रहे थे।
प्रभु की उपस्थिति वहाँ इतनी प्रबल थी मानो हम किसी कलीसिया में हों।

फिर मेरी नींद खुल गई — और प्रभु ने मुझसे यह वचन साझा किया:

भजन संहिता 23:5–6
“तू मेरे बैरियों के सामने मेरे लिये मेज़ बिछाता है;
तू मेरे सिर पर तेल मलता है;
मेरा प्याला उमड़ता है।
निश्चय ही भलाई और करुणा जीवन भर मेरे पीछे-पीछे चलेंगी;
और मैं यहोवा के घर में सदा वास करूंगा।”

इसलिए, मनुष्य से मत डरिए।

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 8

प्रभु की ओर देखिए – वही हमारी रक्षा है।

शालोम।
कृपया इस संदेश को दूसरों के साथ भी साझा करें।

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP GROUP[1]….

Share on:
WhatsApp
Endnotes:
1. WHATSAPP GROUP:
https://chat.whatsapp.com/L3ysoFZcz058XCX9oLvKL1?s=cl&p=a&mlu=4&ilr=4